सुरक्षा, शांति और समृद्धि

सजग भारत

16-31 अक्टूबर, 2023 वर्ष-1 अंक-14

निःशुल्क प्रति

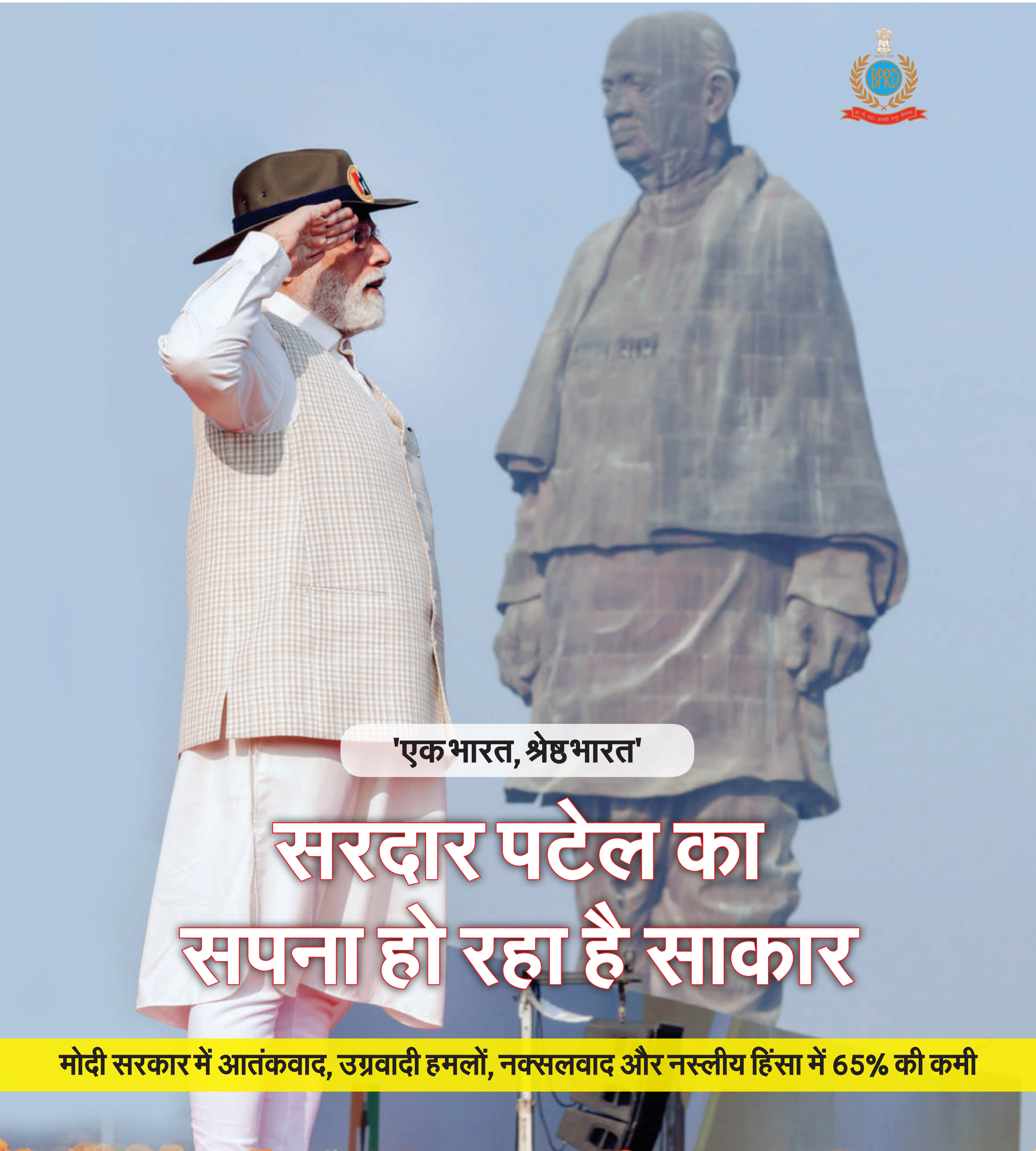

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'

सरदार पटेल का सपना हो रहा है साकार

मोदी सरकार में आतंकवाद, उग्रवादी हमलों, नक्सलवाद और नस्लीय हिंसा में 65% की कमी

अनुक्रमणिका

चंदन है हमारे देश की माटी...	12
हॉट स्प्रिंग : वीरता की गाथा	14
अब रिएक्टिंग और रेस्पॉन्सिंग पुलिसिंग ...	17
भविष्य के भारत की झलक हैं नमो भारत ट्रेनें	18
मोदी सरकार में आतंकवाद, उग्रवादी हमलों...	20
भारत की विकास गाथा दुनिया भर में चर्चा का विषय	22
पुलिस के लिए 5जी प्रौद्योगिकी के उपयोग...	24
गेस्ट कॉलम	26

विशेष रिपोर्ट

05 सरदार पटेल का सपना हो रहा है साकार

10 कश्मीर से लक्षद्वीप तक फैले इस विशाल देश को एक...

15 किंग्सवे से कर्त्तव्य पथ की ओर

संपादक की कलम से...

बालाजी श्रीवास्तव
महानिदेशक, बीपीआरएंडडी

> प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के युवाओं और उसके योद्धाओं की एकता की शक्ति का उत्सव मनाता है।

स्वतंत्र भारत के प्रथम केंद्रीय गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल का यह मानना था कि एकता के बिना जनशक्ति तब तक एक ताकत नहीं बन सकती, जब तक कि सामंजस्य लाकर उसे एकजुट न कर लिया जाए। किसी भी महान कार्य की पूर्णता के लिए शक्ति और विश्वास दोनों ही आवश्यक हैं। उनके इसी मंत्र को ध्यान में रखते हुए 31 अक्टूबर, 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' अभियान की घोषणा की थी। इसके माध्यम से, विभिन्न राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों की संस्कृतियों, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान के परस्पर साझा होने से राज्यों के बीच परस्पर लोक-संस्कृतियों, भाषाओं और विचारों के आदान प्रदान के अवसर बढ़ रहे हैं। बीते कुछ वर्षों से स्टैचू ऑफ यूनिटी का साक्षी, गुजरात का केवड़िया अब पूरे देश को एकता का नया सूत्र दे रहा है।

बिना बाह्य और आंतरिक सुरक्षा के किसी राष्ट्र की एकता और अखंडता की संकल्पना अधूरी है। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों के सम्मान में संचालित 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान ने इसे एक नई दृष्टि प्रदान की है। कर्तव्य पथ पर इस अभियान के समापन समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित कई गणमान्य व्यक्ति और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के युवाओं और उसके योद्धाओं की एकता की शक्ति का उत्सव बनकर उभरा है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव पूरे देश में मनाया गया। यह हमें हमारी साझी यात्रा, सामूहिक संघर्षों और स्वतंत्रता के पश्चात हासिल की गई एकीकृत विजय और सफलताओं की याद दिलाता है। इन 75 सालों में देश राजपथ से कर्तव्य पथ की यात्रा की ओर बढ़ चुका है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का कहना है कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री जी ने देश के लोगों के दिलों में राष्ट्र के प्रति सम्मान और वीरों के लिए श्रद्धांजलि की भावना जागृत की है। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल अपनी भूमिका का बखूबी निर्वहन कर रहे हैं। वे कंधे से कंधा मिलाकर हमारी सीमाओं की रक्षा के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा को भी सुनिश्चित कर रहे हैं। सांस्कृतिक, सामाजिक गतिविधियों और खेलों के माध्यम से भी राष्ट्र को एक सूत्र में बांधने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। राष्ट्रीय एकता के लिए किए जा रहे यह प्रयास देश की रक्षा के लिए समर्पित वीर योद्धाओं को सच्चे श्रद्धा-सुमन हैं।

'सजग भारत' का यह 14वां अंक आपके हाथों में है। हमने विविधता में एकता के प्रयासों को एक पटल पर लाने का प्रयास किया है। हमारा यह प्रयास आपको कैसा लगा? इस संबंध में अपनी प्रतिक्रियाओं से हमें अवश्य अवगत कराएं। हमारा ईमेल है sajag-bharat@bprd.nic.in

जय हिन्द!

15 अगस्त को लाल किले पर होने वाला आयोजन, 26 जनवरी को कर्त्तव्य पथ की परेड और 31 अक्टूबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सान्निध्य में राष्ट्रीय एकता दिवस का कार्यक्रम, ये तीनों राष्ट्र के उत्थान की त्रिशक्ति बन गए हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

विगत दिनों में एनडीआरएफ के माध्यम से अलग-अलग पुलिस फोर्स के जवानों ने दुनियाभर में आपदा प्रबंधन में नाम कमाया है। कितनी भी बड़ी आपदा हो, जब एनडीआरएफ का जवान वहां पहुंचता है, तो लोगों के अंदर एक भरोसा आता है कि अब कोई दिक्कत नहीं है, एनडीआरएफ आ गयी है।

श्री अमित शाह
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब तक भारत को विकसित देश बनाना है। आजादी के 100 साल पूरे होने पर देश इस विशेष दिवस को याद करेगा। हमने जो संकल्प लिया, हमने आने वाली पीढ़ी से जो वादे किए, उसे हमें पूरा करना ही होगा। इसलिए हमें अपने प्रयास तेज करने हैं।

श्री नित्यानंद राय
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

एक ऐसी यात्रा जो हमारे देश के प्रति त्याग व बलिदान की भावना को सुशोभित करती है, #AmritKalashYatra का हिस्सा बनने पर मुझे गर्व है। समस्त भारत देश से इक्कट्ठा की गई मिट्टी व चावल हमारे देश के प्रति समर्पण के भाव का प्रमाण हैं।

श्री निशिथ प्रमाणिक
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को नमन, आपके सर्वोच्च बलिदान और वीरता की स्मृतियाँ सदैव प्रेरणाप्रद हैं।

श्री अजय मिश्रा
केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता दौड़ को फ्लैग ऑफ किया और उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई।

गृह मंत्रालय
भारत सरकार

'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'

सरदार पटेल का सपना हो रहा है साकार

ब्यूरो

31 अक्टूबर, 2015 की तिथि भारत के इतिहास में ऐतिहासिक हो गई जब देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जहां एक ओर इसे राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया तो दूसरी ओर एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम की घोषणा की। इसका उद्देश्य देश के राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों के बीच जुड़ाव को और अधिक बढ़ावा देना है। जिससे विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच आपसी समझ और बंधन को बढ़ाया जा सके। देश की मजबूत एकता और अखंडता को सुरक्षित रखने के लिए एक साथ मिलकर काम किया जाए। हमारे देश में विविध संस्कृतियां और उनमें से प्रत्येक में समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हमें पारस्परिक रूप से हमारी संस्कृतियों की प्रशंसा और सराहना करने में मदद करते हैं। चाहे हम किसी भी क्षेत्र से हों, राष्ट्रीय एकता अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारी प्रगति की कुंजी हमारी विविधता के बीच हमारी एकता में छिपी है।

गत वर्षों की भांति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार पटेल की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री मोदी ने कहा कि अपनी अदम्य भावना, दूरदर्शी राजनीतिक कौशल और असाधारण समर्पण से सरदार पटेल ने हमारे देश की नियति को

आजादी के बाद भी एक समय ऐसा आया कि देश की सांस्कृतिक एकता में जहर घोलने का प्रयास किया गया। कई प्रकार के अलग-अलग विचारों के माध्यम से, सूत्रों के माध्यम से एक ही देश के दो विचारों को विमुख करने का प्रयास किया गया, परंतु अब समय आ गया है 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की रचना करने का और वह भारत की सांस्कृतिक एकता से ही हो सकता है।

- श्री अमित शाह,
केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

एक नया आयाम दिया। अपनी एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने लिखा कि सरदार पटेल की जयंती पर, हम उन्हें अदम्य भावना, दूरदर्शी राजनेता और उनके असाधारण समर्पण के लिए स्मरण करते हैं जिसके माध्यम से उन्होंने हमारे देश की नियति को नया आयाम दिया। राष्ट्रीय एकता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव हमारा मार्गदर्शन करती है। हम उनकी सेवा के सदैव ऋणी रहेंगे। अनेकता में एकता का संदेश देने वाले केवड़िया में 31 अक्टूबर को भव्य समारोह आयोजन किया गया। इस अवसर पर केवडिया में 160 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया, उनमें एकता नगर से अहमदाबाद तक हेरिटेज ट्रेन; लाइव नर्मदा आरती से संबंधित परियोजना; कमलम पार्क; स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के भीतर एक पैदल मार्ग; 30 नई ई-बसें, 210 ई-साइकिलें एवं कई गोल्फ कार्ट; एकता नगर में सिटी गैस वितरण नेटवर्क और गुजरात राज्य सहकारी बैंक का 'सहकार भवन' शामिल हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने केवडिया में एक ट्रॉमा सेंटर और एक सौर पैनल से लैस उप-जिला अस्पताल का शिलान्यास किया।

इससे पहले दिन में, प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह परेड में भाग लिया। इस परेड में सीमा सुरक्षा बल और विभिन्न राज्य पुलिस की टुकड़ियों, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की महिला बाइकर्स के साहसिक शो, सीमा सुरक्षा बल का महिला पाइप बैंड, गुजरात महिला पुलिस द्वारा कोरियोग्राफ किया गया कार्यक्रम, विशेष एनसीसी शो, स्कूल बैंड प्रदर्शन और जीवंत गांवों की आर्थिक व्यवहार्यता को दर्शाते हुए भारतीय वायु सेना का फ्लाई पास्ट प्रदर्शन शामिल था। इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस भारत के युवाओं और उसके योद्धाओं की एकता की शक्ति का उत्सव मनाता है। भले ही भाषाएं, राज्य और परंपराएं पृथक हों, लेकिन देश का हर व्यक्ति एकता के मजबूत सूत्र में बंधा हुआ है। मोती अनेक हैं, परन्तु माला एक है। भले ही हम विविध हैं पर हम एकजुट हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह 15 अगस्त और 26 जनवरी को स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस के रूप में मान्यता दी जाती है, उसी तरह से 31 अक्टूबर भी पूरे देश में एकता का पर्व बन चुका है। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस का पर्व, कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड और मां नर्मदा के तट पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में राष्ट्रीय एकता दिवस का उत्सव राष्ट्रीय उत्थान की त्रिशक्ति बन गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि एकता नगर की यात्रा करने वाले आगंतुक न सिर्फ स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का अवलोकन करते हैं, बल्कि उन्हें सरदार साहब के जीवन और भारत की राष्ट्रीय एकता में उनके योगदान की झलक भी यहां मिलती है। स्टैच्यू ऑफ यूनिटी एक भारत, श्रेष्ठ भारत के आदर्शों का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने एकता दीवार के निर्माण के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों की मिट्टी के मिश्रण का भी उल्लेख किया।

दरअसल, आजादी मिलने के बाद देश में एकता की बात और केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जो सबसे बड़ा प्रयास हुआ, वह सरदार वल्लभभाई

देश के पहले गृह मंत्री के रूप में सरदार वल्लभभाई पटेल ने एकता का संदेश दिया। सैकड़ों रियासतों का विलय कराया और एक भारत की संकल्पना को साकार किया। सरदार पटेल की जयंती 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाने का आह्वान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया। साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का सूत्र दिया। वसुधैव कुटुम्बकम को आत्मसात करते हुए प्रधानमंत्री पूरी दुनिया में भी समरसता कायम करना चाहते हैं। देश और दुनिया को एक मंच पर लाकर विकास के नए आयाम गढ़ना चाहते हैं।

पटेल की ओर से किया गया। सैकड़ों रियासतों को संघीय व्यवस्था में शामिल कराया गया। 31 अक्टूबर, 2022 को केवड़िया में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सरदार पटेल की जयंती और एकता दिवस हमारे लिए केवल कैलेंडर की तारीखें नहीं हैं, वे भारत की सांस्कृतिक ताकत का भव्य उत्सव हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एकता हर स्तर पर जरूरी है, चाहे वह परिवार हो, समाज हो या देश हो। सरदार पटेल के दृढ़ संकल्प से पूरा देश प्रेरणा ले रहा है। प्रत्येक नागरिक देश की एकता और 'पंच प्राण' को जागृत करने का संकल्प ले रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, "अगर हमारे स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व सरदार पटेल जैसे नेताओं ने नहीं किया होता, तो ऐसी स्थिति की कल्पना करना मुश्किल है। यदि 550 से अधिक रियासतों का एकीकरण न हुआ होता तो क्या होता?

प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जीवन की बुनियादी आवश्यकताएं देश और संविधान के प्रति आम आदमी के विश्वास का माध्यम बन रही हैं और आम आदमी के विश्वास के माध्यम के रूप में भी काम कर रही हैं। यह सरदार पटेल के भारत का दृष्टिकोण है। प्रत्येक भारतीय के पास समान अवसर होंगे और समानता की भावना होगी। आज देश उस सपने को साकार होते देख रहा है। पिछले 9 वर्षों में देश ने हर उस वर्ग को प्राथमिकता दी है, जो दशकों से उपेक्षित था। देश ने आदिवासियों के गौरव को याद करने के लिए 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के दिन जनजातीय गौरव दिवस मनाने की परंपरा शुरू की है। इस संबंध में प्रधानमंत्री ने बताया कि देश के कई राज्यों में जनजातीय संग्रहालय बनाये जा रहे हैं। उन्होंने देशवासियों से मानगढ़ धाम और जम्बुघोड़ा का इतिहास जानने का आग्रह किया और कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा किए गए कई नरसंहारों का सामना करते हुए आजादी हासिल हुई।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कई अवसरों पर इस बात को कहा है कि देश भर के लोगों में हमेशा राष्ट्र की एक स्पष्ट अवधारणा रही है और एक देश के रूप में हजारों वर्षों से यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाती है। सैकड़ों साल पहले आदि शंकराचार्य रहे हों या आधुनिक काल के स्वामी विवेकानंद, भारत की संत परंपरा हमेशा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के लिए खड़ी हुई है। रामकृष्ण मिशन की स्थापना भी 'एक भारत, श्रेष्ठ

जनजातीय गौरव दिवस

सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 15 नवंबर को देश के इतिहास और संस्कृति में जनजातीय समुदायों के योगदान को याद करने के लिए जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया। वर्ष 2021 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15 नवंबर को भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के जश्न के हिस्से के रूप में बहादुर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने हेतु 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मंजूरी दी है। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंड की जयंती मनाई जाती है। यह दिन सभी जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने और जनजातीय क्षेत्रों व समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास के प्रयासों को फिर से सक्रिय करने के लिए भी मनाया जाता है। जनजातीय गौरव दिवस समारोह 2047 में देश की आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर दूर-दराज के इलाकों, गांवों में रहने वाले जनजातीय लोगों को मूलभूत सुविधाएं, रोजगार, शिक्षा देने का संकल्प लेने की दिशा में एक कदम है। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो मुख्यालय में उद्यान का नाम भी 'बिरसा मुंडा उद्यान' रखा गया है।

भारत' के विचार से जुड़ी है। भारत में ही नहीं, बल्कि नेपाल और बांग्लादेश में भी बड़े पैमाने पर बेलुर मठ और रामकृष्ण मिशन द्वारा राहत और बचाव कार्य किए गए हैं।

श्री रामकृष्ण मठ की 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने कहा था कि कन्याकुमारी में प्रसिद्ध चट्टान पर, स्वामी विवेकानंद ने अपने जीवन के उद्देश्य की खोज की, जिसने उन्हें बदल दिया और इसका प्रभाव शिकागो में महसूस किया गया। बाद में, जब वे पश्चिम से लौटे तो उन्होंने सबसे पहले तमिलनाडु की पवित्र धरती पर पैर रखा। रामनाद के राजा ने स्वामी विवेकानंद का बहुत सम्मान किया और जब वह (स्वामी विवेकानंद) चेन्नई आए, तो यह बहुत ही खास कार्यक्रम था। स्वामी विवेकानंद बंगाल से थे, उनका तमिलनाडु में नायक की तरह स्वागत किया गया। यह भारत के स्वतंत्र होने से बहुत पहले हुआ था। देश भर के लोगों में भारत की स्पष्ट अवधारणा रही है। हजारों वर्षों से एक राष्ट्र के रूप में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की यही भावना रही है।

सरकार का दर्शन भी स्वामी विवेकानंद से प्रेरित है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि आप हमारे सभी प्रमुख कार्यक्रमों में एक ही दृष्टि देख सकते हैं। पहले बुनियादी सुविधाओं को भी विशेषाधिकार के रूप में माना जाता था। कई लोगों को प्रगति के फायदे से वंचित कर दिया गया था। केवल कुछ चुनिंदा लोगों या एक छोटे समूह को ही इसका उपयोग करने की अनुमति थी। अब विकास का द्वार सबके लिए खुला है।

देश में समय के साथ, स्थिति-परिस्थितियों के अनुसार, अनेक परंपराएं विकसित होती हैं। यही परंपराएं, हमारी संस्कृति का सामर्थ्य बढ़ाती हैं और उसे नित्य नूतन प्राणशक्ति भी देती हैं। कुछ महीने पहले ऐसी ही एक परंपरा शुरू हुई काशी में! काशी-तमिल संगमम के दौरान, काशी और तमिल क्षेत्र के बीच सदियों से चले आ रहे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को उत्सव के रूप में मनाया गया। 'काशी तमिल संगमम' की सफलता की ओर इशारा करते हुए 'सौराष्ट्र तमिल संगमम' का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कह दिया कि मैं भारत की एकता को आगे बढ़ाने के ऐसे सभी प्रयासों की बड़ी सफलता की कामना करता हूं।

जम्मू-कश्मीर से जब अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाया गया, उसके बाद केंद्र सरकार के प्रयास से वहां की अधिकतम बातें देशवासियों के सामने आने लगी। सरकार की नीतियों का लाभ प्रदेशवासियों को होने लगा। वहां के अच्छे कामों की जानकारी समूचे देश को होने लगी। ऐसी ही एक जानकारी 26 मार्च, 2023 को सभी के सामने आई, जब मासिक कार्यक्रम मन की बात के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बताया कि कश्मीर के लोगों की कामयाबी की खुशबू अब चहुं ओर फैल रही है।

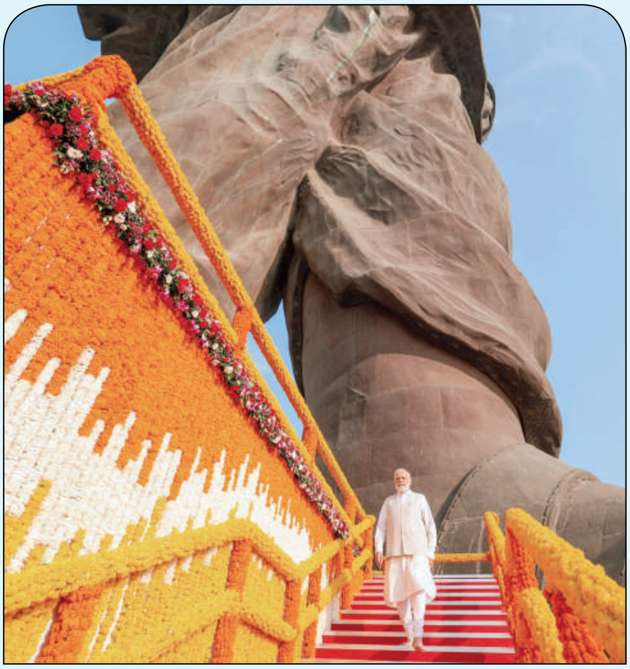

दरअसल, जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में एक कस्बा है 'भदरवाह'। यहां के किसान, दशकों से मक्के की पारंपरिक खेती करते आ रहे थे, लेकिन कुछ किसानों ने कुछ अलग करने की सोची। उन्होंने फूलों की खेती का रुख किया। करीब ढाई हजार किसान लैवेंडर की खेती कर रहे हैं। केंद्र सरकार के अरोमा मिशन से इनको मदद मिल रही है। इस नई खेती ने किसानों की आमदनी में बड़ा इजाफा किया है। जब कश्मीर की बात हो, कमल की बात हो, फूल की बात हो, सुगंध की बात हो, तो कमल के पुष्प पर विराजमान रहने वाली माँ शारदा का स्मरण आना बहुत स्वाभाविक है। कुछ दिन पूर्व ही कुपवाड़ा में माँ शारदा के भव्य मंदिर का लोकार्पण हुआ है। ये मंदिर उसी मार्ग पर बना है, जहां से कभी शारदा पीठ के दर्शनों के लिये लोग जाया करते थे।

भारत अनेक प्रकार की संस्कृतियों से बना देश है, अनेक प्रकार की भाषाएं, अनेक प्रकार की बोलियां और अनेक कलाएं हैं, मगर सबके बीच में बारीकी से देखें तो उसकी आत्मा एक है और वह भारत की आत्मा है। काशी हिंदू विश्वविद्यालय में 16 दिसंबर, 2022 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा था कि काशी तमिल संगमम का आयोजन कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में भारत की सांस्कृतिक एकता के पुनर्जागरण का एक उत्तम प्रयास किया है। इतिहास का हवाला देते हुए गृह मंत्री ने कहा कि दक्षिण से आकर आदि शंकराचार्य ने अपने ब्रह्म सूत्र टीका पर काशी के विद्वानों के बीच स्वीकृति पाई और उसके बाद यह मोदी जी का सबसे सफल प्रयास है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की संस्कृति और काशी के बीच एक सेतु बनाने का काम किया है और यहीं से भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरुआत होने वाली है। ■

एक भारत, श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करता काशी-तमिल संगमम

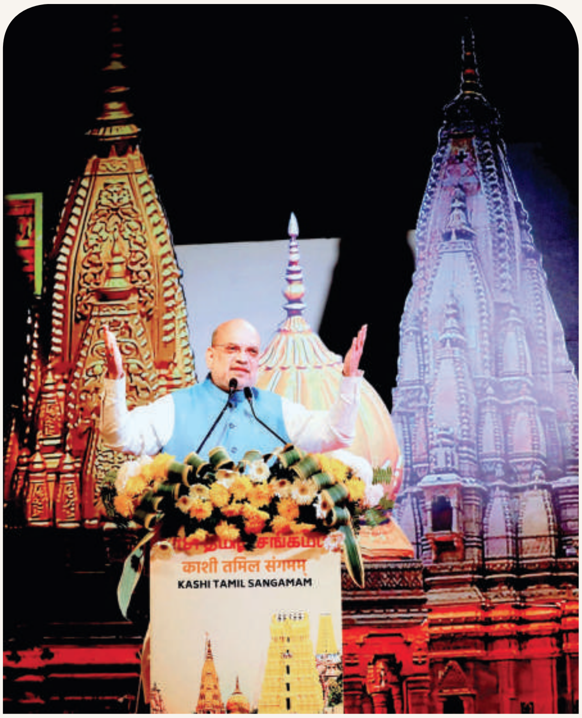

काशी-तमिल संगमम का उद्घाटन 17 नवंबर, 2022 को प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने किया, तो समापन 16 दिसंबर, 2022 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह के संबोधन से हुआ। दोनों ही खास अवसरों पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री, श्री धर्मेन्द्र प्रधान और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति रही। यूं तो इसका आयोजन केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और संस्कृति मंत्रालय ने किया मगर इसमें सहयोग उत्तर प्रदेश सरकार सहित कई दूसरी संस्थाओं का रहा। काशी हिंदू विश्वविद्यालय और आईआईटी मद्रास विशेष साझेदार रहा। उसके साथ ही रेल मंत्रालय और विशेषकर आईआरसीटीसी, केंद्रीय खेल मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय सहित केंद्र कई विभागों का बेहतर समन्वय देखने को मिला। इसका उद्देश्य तमिलनाडु व काशी के बीच सदियों पुराने संबंधों को पुनर्जीवित करना रहा। तमिलनाडु के शास्त्रीय व लोक कलाकारों, साहित्यकारों, उद्यमियों, किसानों, धर्मगुरुओं, खिलाड़ियों आदि के छोटे जत्थों में ढाई हजार से अधिक प्रतिनिधियों ने उत्सव में भाग लिया। महीने भर में दिल्ली, तमिलनाडु और देश के अन्य क्षेत्रों से जितने भी मेहमान आए, सभी ने महादेव की काशी की सांस्कृतिक चेतना और सामाजिक सौहार्द को देखा और समझा।

कश्मीर से लक्षद्वीप तक फैले इस विशाल देश को एक करने में सरदार पटेल जी का अविस्मरणीय योगदान था और ये देश कभी उनके ऋण को नहीं चुका सकता

सरदार वल्लभभाई पटेल ने उस वक्त खंडित 550 से अधिक रियासतों को कुछ ही दिनों में एकता के सूत्र में पिरोकर भारत माता का वर्तमान मानचित्र बनाने का एक विराट काम किया था। जिसका परिणाम है कि आज भारत आजादी के 75 वर्षों के बाद दुनिया के सामने सम्मान के साथ खड़ा है।

ब्यूरो

अनेकता में एकता का संदेश आज देश के लिए एक प्रतीक बन चुका है। आजादी के बाद अंग्रेज भारत को खंडित छोड़कर गए थे, और उस वक्त 550 से अधिक रियासतों को कुछ ही दिनों में एकता के सूत्र में पिरोकर भारत माता का वर्तमान मानचित्र बनाने का एक विराट काम लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया था। सरदार वल्लभाई पटेल के विचारों को आगे बढ़ाते हुए पूरे देश में 31 अक्टूबर को उनके जन्म जयंती को ' राष्ट्रीय एकता दिवस' के रुप में मनाया जाता है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह भी 'एकता दिवस' के अवसर पर कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, उप-राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ की मौजूदगी में श्री अमित शाह ने पटेल चौक पर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री ने दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आयोजित एकता दौड़ को फ्लैग ऑफ किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान को याद करते हुए श्री अमित शाह ने कहा कि आज हमारे देश

के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल का 148वां जन्मदिन है और पूरा देश 2014 से हर वर्ष इस दिन को एकता दिवस के रूप में मना रहा है। श्री शाह ने इस बात को दोहराया कि आजादी के बाद अंग्रेज भारत को खंडित छोड़कर गए थे उस समय अगर सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शी सोच नहीं होती तो शायद भारत का मानचित्र ऐसा नहीं होता। श्री शाह का कहना था कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने उस वक्त खंडित 550 से अधिक रियासतों को कुछ ही दिनों में एकता के सूत्र में पिरोकर भारत माता का वर्तमान मानचित्र बनाने का एक विराट काम किया था। जिसका परिणाम है कि आज भारत आजादी के 75 वर्षों के बाद दुनिया के सामने सम्मान के साथ खड़ा है। श्री शाह ने कहा कि ये सरदार पटेल के दृढ़ निश्चय, राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपरायणता और लौह इरादों का परिणाम है कि आज हम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना को साकार कर रहे हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि इस एकता दिवस का अपने आप में एक ऐतिहासिक महत्व है क्योंकि ये आजादी के अमृत महोत्सव के बाद शुरू होने वाले अमृतकाल का पहला राष्ट्रीय एकता दिवस है। आजादी के अमृत महोत्सव में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश की जनता का आह्वान किया है कि आजादी के 75वें से 100वें वर्ष के बीच के 25 साल संकल्प से सिद्धि के 25 साल हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि हमें ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लेना है कि देश की आजादी की शताब्दी के समय दुनिया में हर क्षेत्र में हम सर्वप्रथम हों। श्री शाह ने कहा कि देश के 130 करोड़ लोगों को ये संकल्प लेना है और इन संकल्पों को सिद्ध करने का सामूहिक पुरुषार्थ एकता दिवस की शपथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम सब मिलकर ये संकल्प लें कि आने वाले 25 सालों में भारत को विश्व में सर्वप्रथम बनाएं और सरदार पटेल के स्वप्न को साकार करने के लिए समर्पित भाव से काम करें। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सरदार पटेल ने कश्मीर से लक्षद्वीप तक फैले इस विशाल देश को एकजुट करने में अविस्मरणीय योगदान दिया और देश उनका ऋण कभी नहीं चुका सकता। उन्होंने कहा कि इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने केवड़िया में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाकर सरदार पटेल को यथोचित सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश रन फॉर यूनिटी और राष्ट्रीय एकता दिवस प्रतिज्ञा के माध्यम से राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए स्वयं को समर्पित करता है। ■

चंदन है हमारे देश की माटी...

देश के हर घर-आंगन की मिट्टी से भरा अमृत कलश, अनेकता में एकता का संदेश दे गया यह आयोजन

ब्यूरो

'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान में जिस उत्साह के साथ देशवासियों ने भागीदारी की, उसी का परिणाम रहा कि देश के हर भाग से एकत्र की गई मिट्टी से विकसित अमृत वाटिका और अमृत महोत्सव स्मारक का प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शिलान्यास किया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर इस अभियान का समापन भी हुआ। इस अभियान के लिए देश के कोने-कोने से अनगिनत युवाओं ने भागीदारी दी। पूरे देश से 8500 अमृत कलश कर्तव्य पथ पर पहुंचे और करोड़ों भारतीयों ने पंच प्राण प्रतिज्ञा ली और अभियान की वेबसाइट पर सेल्फी अपलोड की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं के लिए 'मेरा युवा भारत' प्लेटफॉर्म का शुभारंभ भी किया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह भी मेरी माटी, मेरा देश अभियान के समापन समारोह में शामिल हुए।

> **बड़ी-बड़ी महान सभ्यताएं समाप्त हो गईं, लेकिन भारत की मिट्टी में वो चेतना है, जिसने इस राष्ट्र को अनादिकाल से आज तक बचा कर रखा है।**
>
> **श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने संस्कृत के एक श्लोक की व्याख्या करते हुए कहा, 'किसी चीज का अंत हमेशा कुछ नए की शुरूआत का प्रतीक होता है।' उन्होंने अमृत महोत्सव के समापन के साथ माय भारत के शुभारंभ का उल्लेख किया और कहा, 'माय भारत भारत की युवा शक्ति का उद्घोष है।'

भारत की मिट्टी सामान्य नहीं हैं। इसमें समाहित है आत्मीयता और आध्यात्म, जो हर प्रकार से हर व्यक्ति की आत्मा को जोड़ते है। देश के कोने-कोने से आई मिट्टी इसकी बानगी देती है। 'मेरी माटी मेरा देश अभियान' उन को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। दिल्ली पहुंचे हजारों अमृत कलशों की मिट्टी सभी को कर्तव्य की भावना की याद दिलाएगी और प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगी।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह देश के प्रत्येक युवा को एक मंच पर लाने और राष्ट्र निर्माण की दिशा में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने का एक बड़ा माध्यम बनेगा। उन्होंने माय भारत वेबसाइट की शुरूआत की। प्रधानमंत्री ने युवाओं से आग्रह किया कि वे ज्यादा से ज्यादा इससे जुड़ें, भारत को नई ऊर्जा से भरें और देश को आगे बढ़ाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की आजादी प्रत्येक नागरिक के सामान्य संकल्पों की पूर्ति है और एकता के साथ इसकी रक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के संकल्प का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के 100 साल पूरे होने पर देश इस खास दिन को याद रखेगा। इस दिन करीब 1000 दिनों तक चले आजादी का अमृत महोत्सव का सबसे सकारात्मक प्रभाव भारत की युवा पीढ़ी पर पड़ा है।

अमृत महोत्सव ने एक प्रकार से इतिहास के छूटे हुए पन्नों को आने वाली पीढ़ियों के लिए जोड़ा है और आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के दौरान, देश ने राजपथ से कर्तव्य पथ तक की यात्रा पूरी की। प्रधानमंत्री ने आजादी का अमृत महोत्सव पर लोगों की भागीदारी का एक नया रिकॉर्ड बनाने की ओर ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि दांडी मार्च ने आजादी की लौ को फिर से प्रज्वलित किया, जबकि अमृत काल भारत की 75 साल पुरानी विकास यात्रा का संकल्प बन रहा है। भारत आजाद हो चुका है। इतने साल बाद भी यहां कई गुलामी के प्रतीक थे। जिन्हें प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में हटा दिया गया है, जैसे इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष बोस की प्रतिमा, नौसेना के नए प्रतीक चिन्ह, अंडमान और निकोबार के द्वीपों के प्रेरक नाम, जनजातीय गौरव दिवस की घोषणा आदि।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह भी मेरी माटी, मेरा देश अभियान के समापन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि आज लौह पुरुष सरदार पटेल की जयंती है और आज ही के दिन देश के 7500 स्थानों से पवित्र मिट्टी एकत्रित होकर यहां पहुंची है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस कल्पना को दो बड़े कार्यक्रमों के साथ जोड़ा है। आजादी के अमृत महोत्सव के 2 लाख कार्यक्रमों के समापन के साथ ही अमृत काल की शुरूआत हो रही है। आजादी के अमृत महोत्सव से लेकर आजादी की शताब्दी तक के ये 25 वर्ष देश को महान, दुनिया में हर क्षेत्र में सर्वप्रथम और समृद्ध और सुरक्षित बनाने का संकल्प लेने और उस संकल्प को सिद्ध करने का समय है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष के दौरान 2 लाख से अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना जागृत की है और इन संकल्पों के माध्यम से उस चेतना को चैनलाइज कर महान भारत की रचना का संकल्प हमारे सामने रखा है। उन्होंने कहा कि आज यहां देशभर से आई मिट्टी एक अमृत वाटिका में परिवर्तित होगी और ये अमृत वाटिका, हमें महान भारत की रचना करने की प्रेरणा देती रहेगी।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने शीर्ष प्रदर्शन करने वाले 3 राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के साथ-साथ मंत्रालयों या विभागों को आजादी का अमृत महोत्सव पुरस्कार भी प्रदान किए। शीर्ष प्रदर्शन करने वाले 3 राज्य या केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर, गुजरात तथा तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से हरियाणा और राजस्थान, जबकि शीर्ष प्रदर्शन करने वाले 3 मंत्रालय विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से रेल मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय हैं। ■

हॉट स्प्रिंग वीरता की गाथा

ब्यूरो

21 अक्टूबर को देश में 'पुलिस स्मृति दिवस' के रुप में मनाया जाता है। इस दिवस की कहानी पूरे शौर्य की कथा है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) अपने नियमित गश्त के दौरान 21 अक्टूबर, 1959 को हॉट स्प्रिंग्स (लद्दाख) में था। उसी दौरान घात लगाकर बैठे चीन के सैनिकों ने सीआरपीएफ के एक छोटे से गश्ती दल पर हमला कर दिया। संख्या में कम होने के बावजूद सीआरपीएफ के जवानों ने चीनी सैनिकों के मंसूबों को सफल नहीं होने दिया। अपनी धरती की रक्षा करते हुए 10 सीआरपीएफ जवानों ने प्राणों की आहुति दे दी। यही वजह है कि 21 अक्टूबर को उनकी शहादत के दिन को 'पुलिस स्मृति दिवस' के रूप में मनाया जाता है। स्थापना के शुरुआती दिनों में सीआरपीएफ को सौंपे गए सबसे खतरनाक कार्यों में से एक अक्साई चिन के पास भारत-तिब्बत सीमा की रक्षा करना भी था। इस दायित्व का उनके द्वारा बेहतर निर्वहन किया गया है।

1953 के बाद से, लेह (लद्दाख) और इसकी सीमांत चौकियां सीआरपीएफ की एक कंपनी का पवित्र भरोसा रही थीं। अक्साई क्षेत्र का जंगल, दुर्गम इलाका, बंजर पहाड़ों का अकेलापन, बर्फीली ठंडी हवाएं सीआरपीएफ के जवानों को अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए दिन-रात सीमा पर तैनात रहने से नहीं रोक पाईं। ऐसे ही एक दिन, चीन की बढ़ती हलचल और चारों ओर मंडरा रहे खतरे को देखते हुए, सीआरपीएफ का एक छोटा गश्ती दल तिब्बत की सीमा पर चला गया, इस तथ्य से बेखबर कि वे अपने लिए इतिहास लिख रहे थे! वह 21 अक्टूबर 1959 का दिन था, जब सैनिकों के इस छोटे लेकिन समर्पित समूह पर 'हॉट स्प्रिंग्स' नामक स्थान पर चीनी सैनिकों के स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी हुई। हर एक में यह जज्बा था कि बहादुरी के साथ लड़ाई लड़नी है और किसी भी कीमत पर अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए हमलावर को रोकना है। यह जज्बा और जुनून इन जवानों में शुरू से रहा है। हमलावर की संख्या भले ही अधिक हो, लेकिन संख्या में कम रहते हुए भी कर्तव्यपरायणता का जोश सबसे अधिक सीआरपीएफ में रहा है।

वीरता का दूसरा नाम है केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ)। अपने स्थापना दिवस से ही यह विजय और वीरता के ज्वलंत साक्षात उदाहरणों से अटा हुआ है। ऐसे हर कृत्यों से सीआरपीएफ की ताकत और मजबूत हुई है। यह न केवल राज्यों को उनके डकैती विरोधी अभियानों में मदद करने और आंतरिक कानून और व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पुलिस बल बन गया है, बल्कि आज इसके कर्तव्य इसके मूल से कहीं आगे बढ़ गए हैं। इसमें आतंकवाद और उग्रवाद से लड़ना भी जुड़ गया है।

दस जवानों ने एकमात्र उद्देश्य के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। इसके पीछे मकसद था मातृभूमि की रक्षा करना। इस घटना ने 'हॉट स्प्रिंग्स' को सीआरपीएफ के लिए एक पवित्र स्थान बना दिया। यह दिन देश के पूरे पुलिस बल के लिए शहीद दिवस बन गया। उन 10 सीआरपीएफ के शहीद जवानों के नाम हैं-शहीद सीटी इमाम सिंह, शहीद कांस्टेबल पूरन सिंह, शहीद कांस्टेबल नरबू लांबा, शहीद कांस्टेबल बेजराज माल, शहीद कांस्टेबल मक्खन लाल, शहीद कांस्टेबल शिवनाथ, शहीद कांस्टेबल हनजीत सुब्बा, शहीद कांस्टेबल धरम सिंह, शहीद कांस्टेबल शरवन दास और शहीद कांस्टेबल शेरिंग बोलखु नोरबू। ■

किंग्सवे से कर्त्तव्य पथ की ओर

प्रशासनिक व्यवस्था से इतर जब सामाजिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी नए प्रतिमान गढ़े जाते हैं, तो नागरिकों का यह भरोसा प्रबल होता है कि विविधताओं से भरे भारत में हम सभी एक हैं। हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने ऐसे कई प्रतिमान को नए सिरे से स्थापित किया है।

ब्यूरो

पुलिस स्मृति दिवस, 21 अक्तूबर 2018 के अवसर पर राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय को प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने देश को समर्पित किया था। उन्होंने इस अवसर पर यहां 34,800 शहीद हुए पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि भी दी, जिन्होंने देश को आजाद कराने में अपनी जान की बाजी लगा दी। राष्ट्रीय पुलिस स्मारक के अंदर राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय भी है। यह संग्रहालय, पुलिस बल से जुड़े भारत के उन हजारों जवानों की स्मृति को जनमानस में सुरक्षित रखता है, जिन्होंने अदम्य साहस और वीरता का प्रदर्शन करते हुए देश सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी है। राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय की अद्भुत संरचना भी सराहनीय है। यह संग्रहालय देश के लोगों को पुलिस के गौरवशाली अतीत और सेवा की याद दिलाता है। साथ ही पुलिसकर्मियों को निरंतर सेवा के लिए भविष्य में प्रेरित भी करता रहेगा।

प्रधानमंत्री, श्री नरेंद मोदी का कहना है कि देशवासी और खासकर हमारे नौजवान और बच्चे यहां आकर पुलिसकर्मियों की बहुआयामी सेवाओं से अवगत होंगे और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा प्राप्त करेंगे। राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय भारतीय पुलिस विभाग के इतिहास, कार्यक्रम, उपलब्धियों और महत्वपूर्ण घटनाओं को दर्शाने वाला एक संग्रहालय है। यह संग्रहालय भारत की पुलिस शक्ति की विविधता और महत्वपूर्ण कार्यों का परिचय करवाता है। राष्ट्रीय पुलिस संग्रहालय का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। यह भारतीय पुलिस सेवा के उत्कृष्टता और उनके कार्यों को महत्व देने का प्रयास करता है। यहां पर विभिन्न प्रकार की पुलिस सामग्री, उपकरण, वस्त्र और वाहनों को प्रदर्शित किया गया है, जो पुलिस के कार्यों में उपयोग हुए हैं।

कर्तव्य पथ

'कर्तव्य पथ' नेताजी सुभाष चंद्र बोस के विचारों और दृष्टिकोण का एक महत्वपूर्ण भाग था। यह एक सिद्धांत था, जिसको उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के समय बताया था। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के अनुसार, 'कर्तव्य पथ' वह मार्ग है, जिस पर कोई व्यक्ति अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करता है, बिना किसी प्रकार के भय या हिचकिचाहट के। यह सिद्धांत

उनकी विचारधारा का महत्वपूर्ण हिस्सा था और जिसे उन्होंने अपने जीवन में बखूबी निभाया। 'कर्तव्य पथ' नेताजी के विचारों का एक महत्वपूर्ण पहलू था जो उनके स्वतंत्रता संग्राम में उनके कार्यों को मार्गदर्शन करने में मदद करता था। कर्तव्य पथ इंडिया गेट पर स्थित है। 'कर्तव्य पथ' का उद्घाटन प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने 8 सितंबर, 2022 को किया। उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के समय देश ने आज एक नई प्रेरणा और ऊर्जा का अनुभव किया। किंग्सवे यानि गुलामी का प्रतीक राजपथ आज से इतिहास की बात हो गया है और हमेशा के लिए मिट गया है। आज 'कर्तव्य पथ' के रूप में एक नया इतिहास रचा गया है। हमारे राष्ट्रीय नायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की एक विशाल प्रतिमा भी इंडिया गेट के पास स्थापित की गई है। गुलामी के समय ब्रिटिश राज के प्रतिनिधि की एक मूर्ति थी। आज देश ने उसी स्थान पर नेताजी की प्रतिमा की स्थापना कर एक आधुनिक, मजबूत भारत की प्राण-प्रतिष्ठा भी कर दी है।'

राष्ट्रीय युद्ध स्मारक

राजधानी दिल्ली स्थित इंडिया गेट के प्रांगण में 'राष्ट्रीय युद्ध स्मारक' एक महत्वपूर्ण स्मारक है, जो देश के योद्धाओं को याद करने के लिए स्थापित किया गया है। इन योद्धाओं ने अपने जीवन के बलिदान के साथ देश को सुरक्षा और स्वतंत्रता प्रदान की। ये स्मारक उन योद्धाओं की याद को सजीव रूप से बनाए रखने का एक माध्यम है। यहां पर भारतीय सेनाओं के योद्धाओं की याद को जीवंत बनाए रखने के लिए विभिन्न युद्धों के शहीदों के नाम की दीवारें और स्मृति स्तूप हैं। यहां लोग शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। ₹176 करोड़ की लागत से बने इस स्मारक में सन 1947 के बाद हुए युद्धों में शहीद 25000 से ज्यादा सैनिकों के नाम लिखे गए हैं। छह भुजाओं के आकार निर्मित इस मेमोरियल के केंद्र में 15 मीटर ऊंचा स्मारक स्तंभ बनाया गया है। स्मारक में शहीदों के नाम के अलावा 21 परमवीर चक्र विजेताओं की मूर्तियां भी बनाई गई हैं। स्मारक चार चक्रों पर केंद्रित है- अमर चक्र, वीरता चक्र, त्याग चक्र, रक्षक चक्र। इसमें थल सेना, वायुसेना और नौसेना के शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई है। शहीदों के नाम दीवार की ईंटों में अंकित किए गए हैं।

अमृतकाल में अमृत उद्यान

देश की आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है। इसी को देखते हुए राष्ट्रपति ने मुगल गार्डन का नाम बदल दिया और अब इसे 'अमृत उद्यान' के नाम से जाना जाता है। 15 एकड़ में फैले इस गार्डन का इतिहास आजादी से काफी पहले का है। खूबसूरती ऐसी है कि इसे राष्ट्रपति भवन की 'आत्मा' तक कहते हैं। राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट के मुताबिक, यह जम्मू-कश्मीर के मुगल गार्डन, ताजमहल के आस-पास के बागों, भारत और पर्सिया की मिनियेचर पेंटिंग से प्रेरित है। ■

अब रिएक्टिंग और रेस्पॉन्सिंग पुलिसिंग से आगे बढ़कर प्रिवेंटिव, प्रिडेक्टिव और प्रो-एक्टिव पुलिसिंग को अपनाना होगा

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति से आगे बढ़कर जीरो टॉलरेंस स्ट्रेटेजी और जीरो टॉलरेंस एक्शन की ओर जाना होगा

ब्यूरो

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह का कहना है कि पुलिस को अब प्रतिक्रियावादी और जवाबी पुलिसिंग से आगे बढ़ कर सुरक्षात्मक,सक्रिय और पूवार्नुमानित पुलिसिंग को अपनाना होगा। आतंकवाद के खिलाफ अब जीरो टॉलरेंस की नीति से आगे बढ़कर जीरो टॉलरेंस स्ट्रेटेजी/रणनीति और जीरो टॉलरेंस एक्शन/कार्रवाई की ओर आगे जाना होगा। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आने वाले दिनों में आंतरिक सुरक्षा को संभालने में टेक्नोलॉजी का बहुत अहम रोल रहेगा, इसीलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन की स्थापना की। इस मिशन का उद्देश्य भारतीय पुलिस को टेक्नोलॉजी की दृष्टि से विश्व में सबसे सुसज्ज बनाना, टेक्नोलॉजी का प्रैक्टिकल उपयोग पुलिसिंग और आतंरिक सुरक्षा संभालने में कैसे किया जाए और पुलिस हमेशा तकनीकी रूप से क्रिमिनल से दो कदम आगे कैसे रह सकती है, इस प्रकार की व्यवस्था तैयार करना है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने 27 अक्टूबर 2023 को सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में 75 आर आर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) बैच के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें प्रसिद्धि के मोह में पड़े बिना अपनी ड्यूटी पर केंद्रित होकर आगे बढ़ना चाहिए। पुलिस अधिकारियों को तैनाती के स्थान की स्थानीय भाषा, परंपरा और इतिहास का सम्मान करते हुए लोगों के साथ संवेदनशीलता बनाए रखनी चाहिए और किताबी दृष्टिकोण से ऊपर उठकर कानून की भावना को समझ कर आगे बढ़ना चाहिए।

श्री अमित शाह ने कहा की सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु अधिकारी का अवार्ड एक महिला अधिकारी को मिला है, यह हमारे देश के लिए बहुत गर्व की बात है। अकादमी के इतिहास में पहली बार एक महिला प्रशिक्षु अधिकारी रंजीता शर्मा को 'आईपीएस एसोसिएशन सम्मान तलवार' पुरस्कार (आईपीएस एसोसिएशन स्वार्ड ऑफ ऑनर) जीतने का मौका मिला है। रंजीता शर्मा हरियाणा में रेवाड़ी ज़िले के गाँव डहीना की निवासी हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि हमें ये हमेशा याद रखना चाहिए कि देश के प्रथम गृह मंत्री और लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस देश को

ना केवल एक किया, बल्कि एक रखने के लिए भी कई काम किए। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने देश की 550 से अधिक रियासतों का विलय कर एक अखंड भारत का निर्माण तो किया ही, साथ ही आईपीएस कैडर शुरू कर एक मजबूत व्यवस्था की भी शुरूआत की। सरदार पटेल ने कहा था कि अगर संघ के पास एक अच्छी अखिल भारतीय सेवा नहीं होगी, जिसके पास अपनी बात कहने की आजादी हो, तो संघ का अस्तित्व ही नहीं रहेगा। ये वाक्य आईपीएस कैडर के लिए ध्रुव वाक्य के समान है। उन्होने कहा कि इस संस्थान के बारे में सरदार पटेल ने कहा था कि इसके पास पीछे मुड़कर देखने के लिए कुछ नहीं है, लेकिन भावी पीढ़ियों के लिए परंपरा स्थापित करने के लिए बहुत कुछ है। जब इस अकादमी की स्थापना हुई, तब इसका कोई इतिहास नहीं था, लेकिन इन 75 सालों में यहां से निकले आईपीएस अफसरों ने देश की आतंरिक और सीमाओं की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एक उज्ज्वल, बलिदानयुक्त और यशस्वी इतिहास का निर्माण किया है। आज यहां से निकल रहे 75वें बैच के प्रशिक्षुओं की ये जिम्मेदारी कि वे इस इतिहास को आगे ले जाएं और उसमें कई स्वर्णिम अध्याय जोड़ें। आज यहां से 175 प्रशिक्षु बेसिक कोर्स का प्रशिक्षण पूरा कर निकलेंगे, जिनमें भूटान, मालदीव, मॉरीशस और नेपाल के 20 विदेशी अधिकारी शामिल हैं। इन कुल 175 प्रशिक्षु अधिकारियों में 34 महिला अधिकारी भी शामिल हैं।

भविष्य के भारत की झलक हैं नमो भारत ट्रेनें

ब्यूरो

देश की पहली रैपिडएक्स ट्रेन नमो भारत को राष्ट्र को समर्पित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह ट्रेन भविष्य के नये भारत की झलक प्रस्तुत करती है। नमो भारत ट्रेन नए भारत का संकल्प है। यह पूरे देश के लिए ऐतिहासिक क्षण है। देशवासियों से संकल्प भी लिया कि रेल उनकी संपत्ति है और इसको किसी भी प्रकार से नुकसान नहीं पहुंचायेंगे और न ही किसी को ऐसा करने की इजाजत देंगे।

साहिबाबाद से दुहाई डिपो तक शुरू की गई रैपिडएक्स रेल सेवा को हरी झंडी दिखाने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नमो भारत ट्रेन नए भारत को परिभाषित करती है। प्रधानमंत्री ने कहा, '21वीं सदी का भारत हर क्षेत्र में प्रगति और विकास की अपनी दास्तान लिख रहा है।' नवरात्र के अवसर का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नमो भारत को माता कात्यायनी का आशीर्वाद प्राप्त है। बताया कि नव उद्घाटित नमो भारत ट्रेन में सहायक स्टाफ और लोकोमोटिव पायलट सभी महिलाएं हैं।

उन्होंने भारत को समूची दुनिया के आकर्षण का केंद्र बनाने वाली चंद्रयान 3 की सफलता और जी 20 के सफल आयोजन का भी उल्लेख किया। शियाई खेलों में 100 से अधिक पदक अपने नाम करने वाले रिकॉर्ड प्रदर्शन, भारत में 5जी की शुरूआत और विस्तार तथा रिकॉर्ड संख्या में हो रहे डिजिटल लेन-देन का उल्लेख किया।

खास बात यह भी रही कि स्वयं प्रधानमंत्री इस ट्रेन के पहले यात्री भी बने। उन्होंने इसका डिजिटल टिकट खरीदा और यात्रा की। इस रैपिड ट्रेन की डिजाइन स्पीड 180 किलोमीटर प्रति घंटा है और यह सामान्य रूप से 150 से 160 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पर संचालित होगी। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि नमो भारत, भविष्य के भारत की झलक है और इस बात का भी प्रमाण है कि जब देश की आर्थिक ताकत बढ़ती है, तो कैसे देश की तस्वीर बदलने लगती है। यह 80 किलोमीटर का दिल्ली मेरठ खंड सिर्फ शुरूआत भर है, क्योंकि पहले चरण में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के कई क्षेत्रों को नमो भारत ट्रेन से जोड़ा जाएगा। श्री मोदी ने बताया कि कनेक्टिविटी में सुधार लाने और रोजगार के नए अवसरों का सृजन करने के लिए आने वाले दिनों में देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह की प्रणाली तैयार की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने शहरी प्रदूषण को कम करने की जरूरत पर बल दिया। इसी की बदौलत देश में इलेक्ट्रिक बसों का नेटवर्क बढ़ रहा है। केंद्र सरकार ने राज्यों को 10,000 इलेक्ट्रिक बसें उपलब्ध कराने की योजना शुरू की है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार दिल्ली में ₹600 करोड़ की लागत से 1300 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें चलाने की तैयारी कर रही है। इनमें से 850 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें दिल्ली में चलनी शुरू भी हो चुकी हैं। इसी तरह बेंगलुरु में भी 1200 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें चलाने के लिए भारत सरकार ₹500 करोड़ की मदद दे रही है। उन्होंने कहा, 'केंद्र सरकार की कोशिश है कि दिल्ली, उप्र हो या कर्नाटक, हर शहर में आधुनिक और हरित सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिले।'

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि पहले चरण में तीन प्राथमिकता वाले रैपिड रूट दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-गुरुग्राम-अलवर और दिल्ली-पानीपत में काम चल रहा है। केंद्र सरकार आधुनिक शहरी परिवहन में तीन लाख करोड़ रुपए खर्च करेगी। वैसे कुल मिलाकर रैपिड रेल के लिए आठ रूटों पर काम चल रहा है, जिसमें से तीन को प्राथमिकता में लिया गया है। ■

> **अमृत भारत, वंदे भारत और नमो भारत की ये त्रिवेणी इस दशक के अंत तक भारतीय रेल के आधुनिकीकरण का प्रतीक बनेगी।**
>
> **श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

घोषणाओं पर अमल, युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

ब्यूरो

रोजगार मेला के माध्यम से लाखों युवाओं को नियुक्ति पत्र मिल चुकी है। सरकार की ओर से कुछ समय पहले रोजगार देने की घोषणा हुई थी। उस पर अमल करते हुए केंद्र सरकार की ओर से नियुक्ति पत्र बांटे जा रहे हैं। इसी प्रकार का एक रोजगार मेला 28 अक्टूबर को आयोजित किया गया। इसमें 51 हजार से अधिक युवाओं को सरकार की तरफ से सौगात दी गई। प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो माध्यम से सभी को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री रोजगार मेले को संबोधित करते हुए कहा कि अब सरकार केवल घोषणा ही नहीं करती, काम भी करती है। रोजगार मेला की शुरूआत पिछले साल अक्टूबर में हुई थी और अब तक लाखों युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है। आज 50,000 से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं। दिवाली में अभी वक्त है, लेकिन 50,000 नियुक्ति पत्र पाने वालों के परिवारों के लिए यह मौका दिवाली से कम नहीं है।

प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं को सौंपे गए नियुक्ति पत्र विभिन्न विभागों से हैं। देश भर से चुने गए ये कर्मचारी गृह मंत्रालय, राजस्व विभाग, रेल मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, डाक विभाग, स्कूल शिक्षा, साक्षरता विभाग और मंत्रालय सहित सरकार के विभिन्न विभागों में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा था कि रोजगार मेले युवाओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। हमारी सरकार युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए मिशन मोड में काम कर रही है। हम न केवल नौकरियां प्रदान कर रहे हैं बल्कि पूरी प्रणाली को पारदर्शी भी बना रहे हैं। हमने न केवल भर्ती प्रक्रिया को सही किया, बल्कि कुछ परीक्षाओं का पुनर्गठन भी किया। कर्मचारी चयन आयोग के भर्ती चक्र में लगने वाला समय अब आधा हो गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार निरंतर निगरानी, मिशन मोड कार्यान्वयन और सरकारी योजनाओं में जन भागीदारी के आधार पर एक नई मानसिकता के साथ काम कर रही है और इसका उद्देश्य योजनाओं का 100 प्रतिशत क्रियान्वयन है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि उनकी सरकार ने कैसे भाषाई दीवार को तोड़ा है। उन्होंने बताया कि युवाओं के हित में सरकार ने एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया है।कर्मचारी चयन आयोग ने कुछ परीक्षाओं को हिंदी, इंग्लिश और 13 क्षेत्रीय भाषाओं में लेना शुरू कर दिया है। इससे बड़ी संख्या में उन युवाओं को नौकरी के लिए आवेदन करने का अवसर मिल रहा है, जिनके रास्ते में भाषा की दीवार खड़ी थी।

देश की वर्तमान स्थिति, युवाओं की भागीदारी और भविष्य की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कई प्रसंगों का उल्लेख किया। उनका कहना था कि युवा

> **युवाओं के लिए रोजगार के अवसर तैयार करना, राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ये विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक जरूरी कदम है।**
>
> **श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

शक्ति जितनी ज्यादा मजबूत होगी, देश उतना ज्यादा विकास करेगा। आज भारत अपने युवाओं को कोशल विकास और शिक्षा के द्वारा नए अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार कर रहा है। भविष्य की आधुनिक जरूरतों को देखते हुए देश में आधुनिक राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू की जा रही है। देश में बड़ी संख्या में नए मेडिकल कॉलेज,आई आई टी, आई आई एम या ट्रिपल आई टी जैसे कौशल विकास संस्थान खोले गए हैं। करोड़ों युवाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत ट्रैनिंग दी गई है। हमारे देश में करोड़ों कारीगर अपने पारंपरिक व्यवसायों के माध्यम से आजीविका चलाते हैं। ऐसे विश्वकर्मा कारीगरों उनके लिए पीएम विश्वकर्मा योजना भी शुरू की गई है। आज तकनीक के दौर में सब कुछ तेजी से बदल रहा है, इसलिए हर किसी को अपने हुनर और ज्ञान को अपडेट करते रहना होगा। पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कारीगरों की पारंपरिक दक्षता को आधुनिक तकनीक से जोड़कर एक नई शुरूआत हुई है। जाहिर है आने वाले समय में युवाओं को इसका अधिक लाभ मिलेगा। ■

मोदी सरकार

में आतंकवाद, उग्रवादी हमलों, नक्सलवाद और नस्लीय हिंसा में 65% की आई कमी

सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को बरकरार रखते हुए सख्त कानून बनाये हैं और पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए 'पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन' की स्थापना करके विश्व का सर्वश्रेष्ठ आतंकवादरोधी बल बनने की दिशा में काम किया है।

ब्यूरो

यदि पुलिस हमारी सेवा नहीं करे, तो सुरक्षा नामुमकिन है। पुलिस सेवा का हर बल हर रात, हर दिन अपनी दुख, तकलीफें, घर-परिवार आदि को कुछ समय के लिए पीछे रखते हुए हमारी सुरक्षा करता हैं। कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश की आंतरिक या सीमाओं की सुरक्षा एक सजग पुलिस तंत्र के बिना मुमकिन नहीं है। पुलिस की हर सेवा और बलिदान से जन-मानस की सेवा हुई है और आगे भी होगी। इस बात को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह भी स्वीकारते हैं। इसकी प्रत्यक्ष बानगी मिलती है 21 अक्टूबर को। इस दिन 'पुलिस स्मृति दिवस' मनाया जाता है।

इस दिन श्री अमित शाह ने महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई। 'पुलिस स्मृति दिवस' को उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्यमंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा और केंद्रीय गृह सचिव सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित

थे। इस पर गौर फरमाएं कि पुलिस स्मारक एक प्रतीक मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारे पुलिसकर्मियों के बलिदान, त्याग और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनके समर्पण की पहचान है। सबसे अच्छी बात है कि वर्तमान सरकार सभी जवानों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति पूरी तरह से कटिबद्ध है।

भारत के परिपेक्ष्य में बात करें, तो विगत दिनों में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल के माध्यम से अलग-अलग पुलिसबलों के जवानों ने ना केवल देश बल्कि दुनिया में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं।

इस अवसर पर श्री अमित शाह ने संबोधन की शुरूआत आजादी से अब तक देश की आंतरिक और सीमाओं की सुरक्षा के लिए बलिदान देने वाले 36,250 पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। अपनी बात को गति देते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया में हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इसकी नींव में शहीदों का बलिदान है और ये देश कभी उनके बलिदान को नहीं भुला सकेगा। ये बातें उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से कहीं, ताकि उन्हें हमेशा इस बात का अहसास हो कि शहीद हुए पुलिस कर्मियों के लिए देश सदा अभारी है और रहेगा।

सजग पुलिस तंत्र की बात करें, तो कहना गलत नहीं होगा कि किसी भी देश की आंतरिक या सीमाओं की सुरक्षा एक सजग पुलिस तंत्र के बिना संभव नहीं है। देश की सेवा में लगे सभी कर्मियों में से सबसे कठिन ड्यूटी पुलिसकर्मियों की होती है, दिन हो या रात, सर्दी हो या गर्मी, त्यौहार हो या सामान्य दिन, पुलिसकर्मी को अपने परिवार के साथ त्यौहार मनाने का मौका नहीं मिलता। और तो और देश की लंबी भू-सीमा पर जीवन के स्वर्णिम वर्ष अपने परिवार से दूर रहकर देश की सुरक्षा में बिताने और वीरता, शौर्य और बलिदान देकर देश को सुरक्षित रखने का काम हमारे सभी पुलिसबल करते हैं। पुलिस की सेवा यहीं समाप्त नहीं होती। आतंकवादियों का मुकाबला करना हो, अपराध रोकना हो, भीड़ के सामने कानून-व्यवस्था बनाए रखना हो, आपदाओं और दुर्घटनाओं के समय आम नागरिकों की सुरक्षा करनी हो या कोरोनाकाल जैसे कठिन समय के दौरान पहली पंक्ति में रहकर नागरिकों की सेवा करना हो, हमारे पुलिसकर्मियों ने हर मौके पर अपने आप को साबित किया है। 01 सितंबर, 2022 से 31 अगस्त, 2023 तक पिछले 1 साल में 188 पुलिसकर्मियों ने देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए ड्यूटी के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

> **वर्तमान सरकार ने पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए आयुष्मान-सीएपीएफ, आवास योजना, सीएपीएफ ई-आवास वेब पोर्टल, प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना, केंद्रीय अनुग्रह राशि, विकलांगता अनुग्रह राशि, हवाई कोरियर सेवाएं और केंद्रीय पुलिस कल्याण भंडार में भी समयानुकूल परिवर्तन करने के प्रयास किए हैं।**
>
> **श्री अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री**

अपने संबोधन में श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल का आह्वान किया है। आजादी के 75 वर्ष समाप्त होने से लेकर आजादी की शताब्दी तक के 25 साल देश को हर क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर पहुंचाने के 25 वर्ष हैं। इसके लिए देश के 130 करोड़ लोगों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से संकल्प लिए हैं और इन संकल्पों के संपुट से हमें दुनिया में हर क्षेत्र में शीर्ष पर पहुंचने से कोई नहीं रोक सकेगा।

पिछले एक दशक में हमारे बहादुर पुलिसकर्मियों के कारण आतंकवाद, उग्रवादी हमलों, नक्सलवाद और नस्लीय हिंसा में इसके सर्वोच्च स्तर से 65 प्रतिशत की कमी आई है। वर्तमान सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को बरकरार रखते हुए सख्त कानून बनाये हैं और पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए 'पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन' की स्थापना करके विश्व का सर्वश्रेष्ठ आतंकवादरोधी बल बनने की दिशा में काम किया है। ■

भारत की विकास गाथा दुनिया भर में चर्चा का विषय

ब्यूरो

30 अक्टूबर, 2023 का दिन गुजरात के लिए एक बार फिर ऐतिहासिक सिद्ध हुआ। प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने मेहसाणा में लगभग ₹5800 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन कर इसे राष्ट्र को समर्पित किया। परियोजनाओं में रेल, सड़क, पेयजल और सिंचाई जैसे अनेक क्षेत्र शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि गुजरात के लोग पहले ही उन विकास कार्यों को देख चुके हैं, जो आज बाकी देश अनुभव कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, "जो भी संकल्प लेते हैं, उसे पूरा करते हैं।" उन्होंने तेज विकास का श्रेय गुजरात की जनता द्वारा चुनी गई स्थिर सरकार को दिया और कहा कि इससे उत्तर गुजरात समेत पूरे राज्य को फायदा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने टिप्पणी की कि 30 और 31 अक्टूबर की दो तारीखें सभी को प्रेरणा देने वाली हैं, क्योंकि पहले दिन गोविंद गुरु जी की पुण्यतिथि है

30 और 31 अक्टूबर हर किसी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं, क्योंकि पहले गोविंद गुरु जी की पुण्य तिथि और दूसरे दिन सरदार पटेल जी की जयंती है।

और दूसरी तारीख सरदार पटेल जी की जयंती है। हमारी पीढ़ी ने दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर सरदार साहब के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि गोविंद गुरु जी का जीवन भारत की आजादी में जनजातीय समाज के योगदान और बलिदान का भी प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने मानगढ़ धाम का महत्व राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत की विकास गाथा दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गई है।' प्रधानमंत्री ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान के उतरने और जी20 की सफल अध्यक्षता का जिक्र किया। उन्होंने संकल्प की नई भावना का जिक्र किया और भारत का कद बढ़ने के लिए लोगों की ताकत को श्रेय दिया। उन्होंने देश के सर्वांगीण विकास पर प्रकाश डाला और जल संरक्षण, सिंचाई और पेयजल के उपायों का उल्लेख किया। चाहे सड़क हो, रेल हो या हवाई अड्डे, श्री मोदी ने सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व निवेश पर बल दिया जिससे भारत में आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास हुआ।

प्रधानमंत्री ने गुजरात में पर्यटन की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और विश्व प्रसिद्ध कच्छ रण उत्सव का उल्लेख किया। उन्होंने कच्छ के धोरडो गाँव का भी जिक्र किया जिसे हाल ही में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ पर्यटक गाँव के रूप में मान्यता दी गई थी। उन्होंने यह विश्वास भी जताया कि उत्तर गुजरात देश का एक प्रमुख पर्यटन स्थल बन रहा है। उन्होंने नडाबेट का उदाहरण दिया जो एक महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्र बन रहा है और धरोई का भी उल्लेख किया जिसे एक बड़े पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने मेहसाणा में मोढेरा सूर्य मंदिर, शहर के केंद्र में जल रही अखंड ज्योति, वडनगर के कीर्ति तोरण और आस्था और आध्यात्मिकता के अन्य स्थानों की भी चर्चा की। उन्होंने यहां की गई खुदाई में प्राचीन सभ्यता के निशान मिलने का जिक्र करते हुए कहा कि वडनगर पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केन्द्र बन गया है। रानी की बाव का उदाहरण देते हुए कहा, 'केन्द्र सरकार ने हेरिटेज सर्किट के अंतर्गत ₹1,000 करोड़ की लागत से यहां अनेक स्थानों को विकसित किया है', जहां हर साल औसतन 3 लाख से अधिक पर्यटक आते हैं। संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, "आज देश में हमारी विरासत को विकास से जोड़ने का अभूतपूर्व काम हो रहा है। ये विकसित भारत के निर्माण के हमारे संकल्प को और मजबूत करेंगे। ■

‘मेरा युवा भारत’ का आगाज

ब्यूरो

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक स्वायत्त निकाय मेरा युवा भारत (एमवाई भारत) की स्थापना को मंजूरी दी गई। यह युवा विकास और युवा नेतृत्व वाले विकास के लिए प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित एक व्यापक सक्षम तंत्र के रूप में कार्य करेगा और युवाओं को समान पहुंच प्रदान करेगा, ताकि वे अपनी आकांक्षाओं को साकार कर सकें तथा सरकार के संपूर्ण दायरे में विकसित भारत का निर्माण हो सके। इसकी शुरूआत 31 अक्टूबर, 2023 को की गई।

29 अक्टूबर, 2023 को अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात में प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 31 अक्टूबर को एक बहुत बड़े राष्ट्रव्यापी संगठन की नींव रखी जा रही है और वो भी सरदार साहब की जन्मजयन्ती के दिन। इस संगठन का नाम है–मेरा युवा भारत, यानी MYBharat. MYBharat संगठन, भारत के युवाओं को राष्ट्रनिर्माण के विभिन्न आयोजनों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर देगा। ये, विकसित भारत के निर्माण में भारत की युवा शक्ति को एकजुट करने का एक अनोखा प्रयास है। मेरा युवा भारत की वेबसाइट MYBharat भी शुरू होने वाली है। मैं युवाओं से आग्रह करूँगा, बार–बार आग्रह करूंगा कि आप सभी मेरे देश के नौजवान, आप सभी मेरे देश के बेटे–बेटी MYBharat. Gov.in पर पंजीयन करें और विभिन्न कार्यक्रम के लिए साइन अप करें।

दरअसल, स्वायत्त निकाय, मेरा युवा भारत (एमवाई भारत), राष्ट्रीय युवा नीति में ‘युवा’ की परिभाषा के अनुरूप, 15–29 वर्ष के आयु वर्ग के युवाओं को लाभान्वित करेगा। इस कार्यक्रम के घटक, विशेष रूप से किशोरों के लिए बनाए गए हैं, जिसके लाभार्थी 10–19 वर्ष के आयु वर्ग के किशोर होंगे। मेरा युवा भारत (एमवाई भारत), युवा नेतृत्व वाले विकास पर सरकार का ध्यान केंद्रित करने और युवाओं को केवल ‘निष्क्रिय प्राप्तकर्ता’ के रूप में रहने के स्थान पर विकास का ‘सक्रिय संचालक’ बनाने में मदद करेगा।

भारत की आजादी के 75वें वर्ष के निर्णायक मोड़ पर भारत के युवाओं को राष्ट्र के भविष्य को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है , क्योंकि देश अगले 25 वर्षों में अमृत भारत के निर्माण के लिए एक आदर्श–परिवर्तनकारी विकास यात्रा शुरू कर रहा है। स्वयं प्रधानमंत्री ने विकसित भारत 2047 का लक्ष्य देशवासियों के सामने तय कर रखा है।

उल्लेखनीय है कि हमारे युवाओं के लिए मौजूदा सरकारी योजनाएं पिछले 50 वर्षों में भारत के युवाओं की जरूरतों की तत्कालीन प्रचलित समझ के साथ अलग–अलग समय पर डिजाइन और लॉन्च की गई थीं। शहरी–ग्रामीण परिदृश्य में गतिशील बदलावों के कारण इन दृष्टिकोणों का पुनर्मूल्यांकन आवश्यक हो गया और एक ऐसा ढांचा बनाना जरूरी हो गया जो ग्रामीण, शहरी और ‘शहरी’ युवाओं को एक आम मंच पर एकजुट करे।

> **मेरा युवा भारत के युवाओं को विभिन्न राष्ट्र निर्माण कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करेगा। यह विकसित भारत के निर्माण में भारत की युवा शक्ति को एकीकृत करने का एक अनूठा प्रयास है।**
>
> **श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

समय की मांग के अनुरूप मेरा भारत ऐसी रूपरेखा बनाने में मदद करेगा। इससे युवाओं को लाभ मिलेगा।

माय भारत प्लेटफॉर्म एक ‘फिजिटल’ (भौतिक और साथ ही डिजिटल) पारिस्थितिकी तंत्र बनाएगा और युवा व्यक्तियों को सामुदायिक परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक बनने के लिए सशक्त बनाएगा। वे सरकार को उसके नागरिकों से जोड़कर ‘युवा सेतु’ के रूप में कार्य करेंगे। यह एक ‘फिजिटल’ यानी फिजिकल और डिजिटल दोनों को मिलाकर एक नए पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और बनाए रखने में मदद करेगा जो लाखों युवाओं को एक ही नेटवर्क में निर्बाध रूप से जोड़ता है। ■

5जी प्रौद्योगिकी के लिए राष्ट्रीय हैकथॉन

ब्यूरो

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में साइबर सुरक्षित भारत का निर्माण गृह मंत्रालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। भारत सरकार, देश की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की प्रौद्योगिकी क्षमता को बढ़ाने और साइबर-सुरक्षित देश बनाने के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है क्योंकि साइबर सुरक्षा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा संबंधी मामलों का अनिवार्य पहलू बन चुकी है।

इसी सोच को साकार करने के लिए समय-समय पर आयोजन किए जाते रहे हैं। उसी क्रम में 25 अक्टूबर, 2023 को पुलिस के लिए 5जी प्रौद्योगिकी के उपयोग पर राष्ट्रीय हैकथॉन - विमर्श 2023 के कर्टेन रेजर का नई दिल्ली में आयोजन किया गया। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक श्री बालाजी श्रीवास्तव द्वारा हैकथॉन विमर्श- 2023 के टीजर और वेबसाइट https://vimarsh.tcoe.in का भी शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष, दूरसंचार उत्कृष्टता केंद्र, श्री अजय कुमार साहू, अपर सचिव, गृह मंत्रालय, श्री चंद्राकर भारती, अपर महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, श्रीमती अनुपमा निलेकर चंद्रा, निदेशक (आधुनिकीकरण), पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, श्रीमती रेखा लोहानी और भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के सीईओ, श्री राजेश कुमार भी उपस्थित थे।

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो को गृह मंत्रालय में 5जी अनुप्रयोगों के उपयोग के मामलों के लिए गृह मंत्रालय के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में नामित किया गया है। इसके बाद पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो कानून प्रवर्तन एजेंसियों के सामने आने वाली चुनौतियों और मुद्दों के समाधान के लिए उपकरण विकसित करने के उद्देश्य से 5जी पर एक हैकथॉन का आयोजन कर रहा है। इस हैकथॉन में, नौ समस्या कथन तैयार किए गए हैं और अपनी सहायक टेलीकॉम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (टीसीओई) के साथ दूरसंचार विभाग (डीओटी), पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के साथ मिलकर छात्रों, स्टार्टअप और एमएसएमई के साथ हैकथॉन आयोजित करेगा। ■

'श्री अन्न' से हो रही है नई शुरुआत

वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया गया है। एक ओर लोगों के स्वास्थ्य को लेकर इसका प्रचार किया जा रहा है, वहीं देश के किसानों को इससे लाभ मिल रहा है। स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि श्री अन्न यानि देश के छोटे किसानों की समृद्धि का द्वार, श्री अन्न यानि देश के करोड़ों लोगों के पोषण का कर्णधार, श्री अन्न यानि देश के आदिवासी समाज का सत्कार, श्री अन्न यानि कम पानी में ज्यादा फसल की पैदावार, श्री अन्न यानि केमिकल मुक्त खेती का बड़ा आधार, श्री अन्न यानि क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निपटने में मददगार। हाल ही में पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो ने भी अखिल भारतीय पुलिस श्री अन्न संगोष्ठी 2023 का आयोजन किया था। इसमें 'मिलेट मैन ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर पद्मश्री डॉ. खादर वली ने श्री अन्न और मानव स्वास्थ्य के संबंध को लेकर बात की थी। मोटे अनाजों के महत्व को डॉ. वली ने आज से करीब 35 साल पहले पहचाना था, जब वे अमेरिका के ओरोगोन के बीवरटन में पर्यावरण विज्ञान में अपना पोस्टडॉक्टोरल शोध कार्य कर रहे थे। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक श्री बालाजी श्रीवास्तव ने उनका औपचारिक स्वागत किया था और कहा कि ब्यूरो ने श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए अपनी कैंटीन में इसकी शुरुआत की है और अन्य जगहों पर भी इसका प्रसार किया जा रहा है।

मेरी माटी मेरा देश

ब्यूरो

31 अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री नित्यानंद राय ने कहा कि 15 अगस्त को दिल्ली के लाल किले पर होने वाला आयोजन, 26 जनवरी को दिल्ली के कर्तव्यपथ पर परेड और 31 अक्टूबर को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के सानिध्य में मां नर्मदा के तट पर राष्ट्रीय एकता दिवस का ये मुख्य कार्यक्रम, राष्ट्र उत्थान की त्रिशक्ति बन गए हैं। 30 अक्टूबर को सीतामढ़ी जिला के रुन्नीसैदपुर में आगामी 5 नवंबर, 2023 को देश के यशस्वी केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह की विशाल जनसभा के निमित्त तैयारी बैठक में सभी जिला पदाधिकारी, सभी मंडल अध्यक्ष एवं रुन्नीसैदपुर के कार्यकर्ताओं के साथ केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री नित्यानंद राय ने विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

29 अक्टूबर का दिन कई मायनों में खास रहा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री नित्यानंद राय ने 'मेरी माटी, मेरा देश' कार्यक्रम के तहत बिहार के 534 ब्लॉक से अमर बलिदानियों के घर से एकत्रित किए गए अमृत कलश को सम्मान के साथ भाजपा कार्यालय से पटना जंक्शन और वहां से 1500 लोगों ने अमृत कलश के साथ दिल्ली के लिए प्रस्थान किया।

28 अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री नित्यानंद राय ने बताया कि प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने रोजगार मेला के अंतर्गत 51 हजार से अधिक नवनियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। देशभर में रोजगार मेला के तहत अबतक कुल 6,30,000 उम्मीदवारों को नियुक्ति-पत्र दिए जा चुके हैं।

31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री निशिथ प्रमाणिक ने एक्स पोस्ट के जरिए बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति में रनफॉर यूनिटी के अवसर पर नैशनल यूनिटी डे में उपस्थित होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय सक्सैना जी, श्रीमती मीनाक्षी लेखी, अनुराग ठाकुर और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

30 अक्टूबर को अनोखी यात्रा निकाली गई। जिसका हिस्सा बनकर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री निशिथ प्रमाणिक को बहुत गर्व महसूस हुआ। इस यात्रा का नाम है अमृत कलश यात्रा। यह यात्रा हमारे देश के प्रति त्याग व बलिदान की भावना को सुशोभित करती है। इसके अंतगर्त समस्त भारत देश से इक्कट्ठा की गई मिट्टी व चावल हमारे देश के प्रति समर्पण के भाव का प्रमाण हैं। बता दें कि देशभर से जुटाए गए 8500 कलश, मिट्टी और चावल से भरे हैं और इन्हें दिल्ली पहुंचाया गया। इन कलशों से भारत के शूरवीरों की स्मृति में अमृत वाटिका बनाई जाएगी। 30-31 अक्टूबर को नई दिल्ली स्थित कर्तव्यपथ पर इसका समारोह मनाया जाएगा। 29 अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री निशिथ प्रमाणिक ने एक्स पोस्ट पर सिलिगुड़ी में आयोजित रोजगार मेले की तस्वीरें साझा की। इस रोजगार मेले में आभासी रूप से प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने 51000 नियुक्ति पत्र नवनियुक्त उम्मीदवारों को दिए।

31 अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा ने गृह मंत्रालय में राजभाषा विभाग की समीक्षा बैठकी ली। इसी दिन केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा 'मेरी माटी मेरा देश' कार्यक्रम हेतु, दिल्ली आवास पर लखीमपुर खीरी टीम के साथ मौजूद रहे। 24 अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा अपने गृह जनपद लखीमपुर खीरी में दिव्यांग साथियों को मोटर ट्राई साईकिल का वितरण किया। 22 अक्टूबर को संसदीय कार्यालय पर जनता दर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी दिन गृह जनपद की ग्राम पंचायत कटहिया महुआ में सांसद निधि से बनी सड़क का लोकार्पण केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा ने किया और वहां मौजूद जनसभा को संबोधित किया। 18 अक्टूबर को केंद्रीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय कुमार मिश्रा ने गृह जनपद में गुरुनानक महाविद्यालय में छात्रों को स्मार्टफोन्स और टैबलेट का वितरण किया। ■

विकसित भारत : संकल्प से सिद्धि तक की यात्रा

अजय कुमार भल्ला

यह भारत का अमृतकाल है। अपनी यात्रा के इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर देश, विश्व में अपने स्थान और आकांक्षाओं को पुनः परिभाषित करने के लिए तत्पर है। माननीय प्रधानमंत्री जी के संदर्शन से प्रेरित होकर, हमने सामूहिक रूप से 'विकसित भारत' की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू की है।

मैं 1984 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुआ और असम तथा मेघालय राज्यों के साथ-साथ केंद्र में कई जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। लंबे समय तक प्रशासन की नीतियों का जोर गरीबी उन्मूलन पर रहा। गरीबी हटाने के प्रयास से समृद्धि की पुनः प्राप्ति के संकल्प तक देश ने एक लंबा सफर तय किया है। प्रभावी नेतृत्व भविष्य के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण बनाता है और फिर उसे प्राप्त करने की दिशा में उद्देश्यपूर्ण ढंग से सबको आगे ले जाता है। हमारे प्रधानमंत्री जी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति सशक्त की है, तथा एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित हो रहा है।

वैश्विक राजनीति में कूटनीतिक प्रयासों ने भारत को विश्व पटल पर एक प्रमुख स्थान दिया है और भारत अब बहुध्रुवीय और निष्पक्ष वैश्विक व्यवस्था के उद्भव में अपना सकारात्मक योगदान दे रहा है। अब हमारी आवाज न केवल सुनी जाती है, बल्कि अधिक मूल्यवान भी मानी जाती है। भारत की G20 की अध्यक्षता एक शानदार सफलता थी और भू-राजनीति में हमारे बढ़ते महत्व का प्रमाण भी ।

भारत सरकार के सचिव के रूप में, पहले विद्युत मंत्रालय और फिर गृह मंत्रालय में, मैंने पिछले सात वर्षों में देश में हुए परिवर्तनों को करीब से देखा है। मेरा मानना है कि वर्ष 2047 तक, या संभवतः उससे पहले ही, भारत को 'विकसित भारत' बनाने की जिम्मेदारी, प्रत्येक भारतीय की जिम्मेदारी है।

हमने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना संयम से किया है। कोरोना महामारी सभी देशों के लिए एक अभूतपूर्व चुनौती थी, जिससे निपटने के लिए निर्णायक और प्रभावी शासन आवश्यक था । हमारे प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में, भारत ने संकट के समय में बेहतर प्रबंधन से न केवल महामारी का कुशलतापूर्वक सामना किया, बल्कि विश्व को पुनः प्राणवान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान भी दिया । कोरोना टीकाकरण अभियान एक बड़ी सफलता थी – पूरे देश में बड़े पैमाने पर टीकों का निर्माण और प्रत्येक नागरिक तक इसको पहुँचाना एक बड़ी उपलब्धि है।

साथ ही, राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने और नागरिकों के बीच सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। एक मजबूत रक्षा तंत्र के साथ देश की सीमाएँ पहले से अधिक सुरक्षित हैं। सरकार की राजनीतिक इच्छाशक्ति के परिणामस्वरूप आतंकवाद विरोधी प्रभावी कदम उठाए गए हैं, जिससे आतंकवाद की घटनाओं में काफी कमी आई है। वर्षों से चले आ रहे आंतरिक सुरक्षा मुद्दों को सफलतापूर्वक सुलझाया गया है, जिससे न केवल विकास के लिए शांति एवं स्थिरता सुनिश्चित की गई है, बल्कि भारत के विरोधियों को उनके दुस्साहस का उचित जवाब भी मिला है। यह अपनी संप्रभुता की रक्षा के लिए देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत के पुलिस बलों का आधुनिकीकरण एक प्राथमिकता रही है, जो कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

'विकसित भारत' केवल एक लक्ष्य नहीं; बल्कि, विकास और सुधार के लिए एक सतत यात्रा है। इस महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण को प्राप्त करने हेतु, 'नए भारत' के चार स्तंभों-गरीबों, महिलाओं, युवाओं और किसानों-की सक्रिय भागीदारी और सशक्तिकरण अनिवार्य है, जिससे समग्र और समावेशी विकास संभव होगा।

मैं फिर दोहराता हूँ कि यह एक निर्णायक और रोमांचक समय है। एक राष्ट्र के रूप में हम पहले से अधिक आश्वस्त हैं। हमें अपनी जड़ों और विरासत पर गर्व है। हम अपनी समस्याओं और सीमाओं के प्रति सचेत हैं, परंतु अपनी क्षमता और संभावनाओं के प्रति भी उतने ही जागरूक हैं। हम आश्वस्त कदमों के साथ उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हैं। दृढ़ संकल्प और समर्पण के साथ काम करते हुए , हमें यकीन हो रहा है कि 'विकसित भारत'-जो आज एक आकांक्षा है, अमृत काल के भीतर ही एक वास्तविकता बन जाएगी। ■

(केंद्रीय गृह सचिव, भारत सरकार)

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 27 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद में 75वें भारतीय पुलिस सेवा बैच के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर तेलंगाना की राज्यपाल, केन्द्रीय गृह सचिव, निदेशक, आसूचना ब्यूरो और निदेशक, सीबीआई सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 18 अक्टूबर को नई दिल्ली में 200 जनजातीय युवा एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत जनजातीय युवाओं से संवाद किया। उन्होंने ने कहा कि देश के संविधान में सबके लिए समान अवसर उपलब्ध हैं और युवाओं को अपने जीवन के लक्ष्य को देश के विकास के साथ जोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि आज जनजातीय समुदाय के लोगों के लिए अनेक अवसर उपलब्ध हैं। यह गर्व की बात है कि एक जनजातीय महिला श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी देश की राष्ट्रपति हैं।

ब्यूरो मुख्यालय एवं सभी बाह्य यूनिट में सतर्कता जागरूकता सप्ताह आरंभ हुआ जिसके अंतर्गत ब्यूरो मुख्यालय में महानिदेशक श्री बालाजी श्रीवास्तव तथा बाह्य यूनिट में निदेशकों/उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों को इस दिवस की शपथ दिलाई।

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के यू-ट्यूब चैनल 'पुलिस और सेवा' के एक वीडियो में बताया गया कि किस तरह से तमिलनाडु में ओटीपी धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ओटीपी धोखाधड़ी लोगों से फोन पर होती है। अपराधी किसी न किसी बैंक के कर्मचारी बताकर लोगों को क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने से लेकर और कई प्रलोभन देते हैं। जैसे ही लोग फोन में आया ओटीपी इस फर्जी बैंक कर्मचारी को बताते है बैंक अंकाउट खाली हो जाता है।

भारत के वीर

देश के जवानों को श्रद्धांजलि और समर्थन https://bharatkeveer.gov.in

दिशा-निर्देश

- आप सीधे भारत के वीर के खाते में (अधिकतम ₹15 लाख तक) दान कर सकते हैं या भारत के वीर कोष में दान कर सकते हैं।
- अधिकतम कवरेज सुनिश्चित करने के लिए, प्रति वीर ₹15 लाख की सीमा तय की गई है और यदि राशि ₹15 लाख से अधिक है तो दाता को सतर्क किया जाएगा, ताकि वे या तो अपने योगदान को कम करने या योगदान के हिस्से को किसी अन्य भारत के वीर के खाते में डालने का विकल्प चुन सकें।
- भारत के वीर फंड का प्रबंधन प्रतिष्ठित व्यक्तियों और समान संख्या में वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की एक समिति द्वारा किया जाएगा, जो आवश्यकता के आधार पर भारत के वीर परिवार को समान रूप से फंड वितरित करने का निर्णय लेंगे।

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (BPR&D) के लिए फार्च्यूना पब्लिक रिलेशंस प्रा. लि. नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित व विबा प्रेस प्रा.लि., नई दिल्ली द्वारा मुद्रित

प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष के दौरान 2 लाख से अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना जागृत कर इन संकल्पों के माध्यम से उस चेतना को चैनलाइज कर महान भारत की रचना का संकल्प हमारे सामने रखा है।

श्री अमित शाह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

सत्यमेव जयते

BPRD

आ नो भद्राः क्रतवो यन्तु विश्वतः

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो
गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय राजमार्ग-48, महिपालपुर,
नई दिल्ली-110037